भारत और नामीबिया के बीच घनिष्ठ संबंध हैं - लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 27 मार्च 2017 : आज संसद भवन में नामीबिया कि संसद की नेशनल असेंबली के स्पीकर, माननीय प्रोफेसर पीटर एच कजाविवी के नेतृत्व में नामीबिया से आए छह सदस्यीय शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि भारत और नामीबिया के बीच घनिष्ठ संबंध हैं । उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पर्यटन, शैक्षिक आदान-प्रदान और सांस्कृतिक समारोहों के क्षेत्र में आपसी संबंधों को बढ़ावा देकर द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाया जाना चाहिये ।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि जून 2016 में भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी का नामीबिया का शासकीय दौरा द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण चरण था, श्रीमती महाजन ने कहा कि भारत और नामीबिया अंतरराष्ट्रीय मंचों और विशेष रूप से राष्ट्रमंडल और संयुक्त राष्ट्र संघ में एक दूसरे के निकट सहयोगी रहे हैं ।

श्रीमती महाजन को यह जान कर खुशी हुई कि नामीबिया के शिष्टमंडल की वर्तमान यात्रा से दोनों संसदों के बीच उच्च स्तरीय आदान प्रदान में नई ऊर्जा का संचार हुआ ह। उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की कि सहयोगी लोकतान्त्रिक देश होने के नाते, दोनों देशों के सांसदों और विधायकों के बीच नियमित रूप से बातचीत और आदान प्रदान से ऐतिहासिक संबंध और मजबूत होंगे । उन्होंने इस बात का आश्वासन दिया कि भारत की संसद नामीबिया के संसदीय अधिकारियों और सदस्यों के क्षमता निर्माण में सहर्ष सहायता प्रदान करेगी । भारत का संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो विभिन्न देशों से आए संसदीय कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता ह और नामीबिया के पदाधिकारियों को भी इस कार्यक्रम में शामिल करके उन्हें बहुत खुशी होगी । श्रीमती महाजन ने नामीबिया के शिष्टमंडल को यह भी बताया कि नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो विभिन्न देशों की जरूरत / आवश्यकता के अनुसार विशेष पाठ्यक्रम भी आयोजित कर सकता ह

श्रीमती महाजन ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत नामीबिया की संसद द्वारा अपनी संसद और सरकारी □ांचों में महिला-पुरुष संतुलन सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित नीतियों से बहुत प्रभावित ह□। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि नामीबिया में ज़ेबरा प्रणाली ह□ जिसके अंतर्गत महिलाओं को दलों और सरकार के शीर्ष पदों में समान रूप से प्रतिनिधित्व दिया जाता ह□।

प्रत्युत्तर में नामीबिया की संसद की नेशनल असेंबली के स्पीकर, प्रोफेसर पीटर एच कजाविवी ने अपने शिष्टमंडल के गर्मजोशी से किये गये आतिथ्य सत्कार के लिए लोक सभा अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में भारत और नामीबिया के संबंध नई ऊँचाइयाँ छुएंगे ।